

ईरान ने पीछे खींचे अपने कदम, ह से वापस लिया परमाणु स्थलों पर हमलों पर प्रतिबंध लगाने वाला प्रस्ताव ईरान (जीएनएस)। ईरान ने परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों पर रोक लगाने वाले उस प्रस्ताव को वापस लेने का फैसला किया, जिसे उसने चीन, रूस और अन्य देशों के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के सदस्य देशों की वार्षिक बैठक में मतदान के लिए रखा था। प्रस्ताव वापस लेने का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के सहयोगी देशों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर उस पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध फिर से लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पश्चिमी राजनयिकों ने, जिन्होंने आंतरिक विचार-विमर्श के लिए नाम न छापने की शर्त पर बात की, कहा कि अमेरिका इस प्रस्ताव को पारित होने से रोकने के लिए पदों के पीछे से जोरदार पैरवी कर रहा है। राजनयिकों ने बताया कि इससे पहले, अमेरिका ने यह संभावना जताई थी कि अगर यह प्रस्ताव पारित हो जाता है और अगर एजेंसी, एजेंसी के भीतर इजराइल के अधिकारों को कम करने का कदम उठाती है, तो वह अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को मिलने वाले धन में कटौती कर सकता है। 1981 में इराक में एक परमाणु रिएक्टर पर इजराइली हमले के परिणामस्वरूप, दृढ़ के तकनीकी सहायता कार्यक्रम के तहत इजराइल को दी जाने वाली सहायता निलंबित कर दी गई थी। उस समय, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, दृढ़ महाधिवेशन और दृढ़ बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा पारित प्रस्तावों में इस हमले की कड़ी निंदा की गई थी।

यूएनजीए के मंच से सुधरेंगे रूस-अमेरिका के आपसी रिश्ते, पुतिन के करीबी लावरोव और ट्रंप के विदेश मंत्री रुबियो की मुलाकात मास्को (जीएनएस)। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव अगले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मिलने की योजना बना रहे हैं, रूस के संयुक्त राष्ट्र दूत ने 19 सितंबर को बताया। रूस के संयुक्त राष्ट्र राजदूत वसीली नेबेंज्या ने रोसिया-24 टेलीविज़न चैनल को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि अभी कोई एजेंडा तय नहीं है, लेकिन बैठक की योजना बनाई जा रही है।

भारत के रेयर अर्थ की भरकर डिमांड, चीन के सबसे बड़े दुश्मन ने दिया तगड़ा ऑफर ताइवान (जीएनएस)। एक ऐसी डील जिसने पूरे एशिया की जियोपॉलिटिक्स को हिला कर रख दिया है। चीन के सबसे बड़े दुश्मन ताइवान ने भारत के सामने एक ऐसा ऑफर रख दिया है जो आने वाले समय में ऊर्जा से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा निर्माण तक भारत को पूरी तरह से बदल सकता है। रेयर अर्थ मिनिरल्स यानी दुर्लभ खनिजों के जरिए भारत को एक तरफ सेमीकंडक्टर बनाने की ताकत मिल रही है। वहीं दूसरी तरफ चीन का एकाधिकार भी टूट रहा है। भारत और ताइवान की ये दोस्ती सिर्फ आर्थिक सौदा नहीं बल्कि एक रणनीतिक गेमप्लेन भी साबित होगा। चीन परमानेंट मैगनेट, और रेयर अर्थ मिनिरल्स में पूरी दुनिया का सबसे बड़ा खिलाड़ी है। इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस और ऊर्जा सेक्टर हर जगह इसकी जरूरत है। इस साल की शुरुआत में चीन ने सप्लाई चैन रोक दी थी।

जनता यूनियन



अधिकतम : 33° से.
 न्यूनतम : 27° से.

jantaunion@gmail.com



दीनदयाल जी के मंत्र को अपनाने से भारत बना सशक्त देश : योगी

- दीनदयाल धाम में विराट युवा सम्मलेन में बोले मुख्यमंत्री- स्वदेशी को अपनाने से होगा देश आत्मनिर्भर
- अयोध्या में राममंदिर बनाया, कश्मीर से धारा 370 भी हटाने का काम भी भाजपा ने किया



जनता यूनियन मथुरा । पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1950 में पं. दीनदयाल उपाध्याय ने विकसित भारत का जो मंत्र दिया था, उसको अपनाकर पीएम नरेन्द्र मोदी ने भारत को सशक्त

और गांव समृद्ध होंगे।

दीनदयाल धाम में आयोजित विराट युवा सम्मेलन में आए प्रदेश के मुखिया ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पं. दीनदयाल ने भारत और भारतीयता के उत्थान का मंत्र विकसित किया था। आज देश में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह पं. दीनदयालजी का ही मंत्र है। दीनदयालजी के मंत्र में स्वदेशी और ग्राम्य विकास का दर्शन ही था। उनके इस मंत्र को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी और पीएम नरेन्द्र मोदी ने आत्मसात किया। गांवों में सड़क बनाई गई, देश को इसी मंत्र से आत्मनिर्भर बनाया गया है। इसी मंत्र को अपनाने से आज देश हर क्षेत्र में सशक्त और आत्मनिर्भर बन रहा है। मुख्यमंत्री ने करीब 42 मिनट के संबोधन पं. दीनदयाल के स्वदेशी माडल की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने

कहा कि पंडितजी का स्वदेशी माडल अपनाने का सपना था, आज इस सपने को साकार करने की जरूरत है। स्वदेशी अपनाने से देश मजबूत होगा और अर्थव्यवस्था सुधरेगी। आज भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन चुका है, स्वदेशी को अपनाने से तीसरी अर्थ व्यवस्था बनेगी। फिरोजाबाद और मथुरा के स्वदेशी उत्पादों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि दीनदयाल धाम में भी स्वदेशी उत्पाद तैयार हो रहे हैं। अब नवरात्र और दीपावली पर इन स्वदेशी उत्पादों को उपहार में देने की आवश्यकता है। जहां भी जाएं, दीनदयाल धाम में तैयार किए गए उत्पादों को उपहार में दें। योगी ने कहा कि विदेशियों द्वारा खोखली की गई अर्थव्यवस्था को स्वदेशी माडल को अपनाकर ही पीएम देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने में जुटे

हुए हैं। राममंदिर और धारा 370 का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा जो कहती थी, उसे साकार करके दिखाया। कश्मीर से धारा 370 हटाई, तो अयोध्या में भव्य राममंदिर बनाया। अब कश्मीर स्वर्ग बन रहा है। आज पीएम मोदी पं. दीनदयाल के मंत्र को अपनाकर असंभव को संभव बनाने का काम कर रहे हैं। पीएम ने 11 साल में भारत को बदला, भारत में नए भारत का दर्शन हो रहा है। योजनाओं की वजह से गांव और गरीब विकसित हो रहे हैं। यूपी की चर्चा करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले यूपी की अर्थव्यवस्था बदहाल थी, टाप टेन में सातवें नंबर पर प्रदेश था। आज प्रदेश की अर्थव्यवस्था दूसरे नंबर पर है। सीएम युवा उद्यमी योजना से आज प्रदेश का युवा सक्षम बन रहा है, वह नौकरी करने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बन रहा है।

भारतीय आईटी इंजीनियर को अमेरिकी पुलिस ने गोलियों से भूना, परिवार को दो हफ्ते बाद मिली बेटे की मौत की खबर, पिता ने विदेश मंत्रालय से मांगी मदद

तेलंगाना (जीएनएस)। तेलंगाना के 30 साल के स्टूडेंट मोहम्मद निजामुद्दीन की कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में पुलिस ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। आरोप है कि उसने अपने रूममेट पर चाकू से हमला किया था। यह घटना 3 सितंबर को हुई, लेकिन उसके परिवार को उसकी मौत की खबर दो हफ्ते बाद मिली। निजामुद्दीन के पिता, रियायट टीचर हुसैनूद्दीन ने झहड़ को बताया कि उन्हें 18 सितंबर को कर्नाटक के रायचूर में रहने वाले अपने बेटे के दोस्त से यह खबर मिली, जो खुद भी सांता क्लारा में रहता है। महमूदबाद जिले का रहने वाला मृतक मोहम्मद निजामुद्दीन 2016 में हायर एजुकेशन के लिए फ्लोरिडा कॉलेज गया था। परिवार के अनुसार, रू पूरा करने के बाद वह एक कंपनी में सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल के तौर पर काम करने लगा और प्रमोशन के बाद कैलिफोर्निया चला गया। उसके पिता मोहम्मद हुसैनूद्दीन ने अपने बेटे के दोस्त से मिली जानकारी के आधार पर न्यूज एजेंसी को बताया कि यह घटना 3 सितंबर को हुई थी, लेकिन उस दिन ठीक क्या हुआ, यह साफ नहीं है।



पाकिस्तान में मुझे घर जैसा फील होता है...राहुल के अकंल सैम ने बयान से बढ़ाया बवाल, बीजेपी हमलावर



नई दिल्ली (जीएनएस)। कांग्रेस के विदेश मामलों के प्रमुख सैम पित्रोदा ने अपने उस बयान से नया विवाद खड़ा कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान यात्रा के दौरान उन्हें घर जैसा महसूस हुआ। इस टिप्पणी पर तोखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ हुईं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर इस्लामाबाद के प्रति नरम रख

अपनाने का आरोप लगाया। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने विदेश नीति पर अपनी टिप्पणियों से एक बहस छेड़ दी है। उन्होंने भारत से अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल के साथ मजबूत संबंधों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। अपने निजी अनुभव साझा करते हुए, पित्रोदा ने कहा कि मैं पाकिस्तान गया हूँ और आपको बता दूँ कि मुझे वहाँ घर जैसा महसूस हुआ। मैं बांग्लादेश गया हूँ, मैं नेपाल गया हूँ और मुझे वहाँ घर जैसा महसूस होता है। उन्होंने समान जीन पूल और सांस्कृतिक समानताओं को घनिष्ठ संबंधों का आधार बताया, साथ ही आतंकवाद और हिंसा जैसी चुनौतियों को भी स्वीकार किया।

शांति और सद्भाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए, पित्रोदा की टिप्पणियों की भाजपा द्वारा तीखी आलोचना किए जाने की उम्मीद है, जिसने पहले कांग्रेस पर पाकिस्तान के प्रति नरम रख अपनाने का आरोप लगाया था। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पित्रोदा की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और इसे बेवजह सहानुभूति का सबूत बताया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, "राहुल गांधी के चहेते और कांग्रेस के विदेश प्रमुख सैम पित्रोदा कहते हैं कि उन्हें पाकिस्तान में घर जैसा महसूस हुआ। कोई आश्चर्य नहीं कि यूपीए ने 26/11 के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की।

सऊदी से डील होते ही पाकिस्तान पर हो गया पहला बड़ा अटैक, बिछ गई लार्गे

सऊदी अरब (जीएनएस)। ऑपरेशन सिंदूर के 132 दिन बाद पाकिस्तान और सऊदी अरब ने 17 सितंबर को एक डिफेंस डील साइन की है। डिफेंस अग्रीमेंट ये भी कहता है कि अगर एक देश पर हमला हुआ तो दूसरा देश उसे खुद पर भी हमला मानेगा। सऊदी अफसर ने दावा किया कि करार में सभी सैन्य विकल्पों का प्रयोग किया जा सकता है। पाक और सऊदी अरब का कहना है कि ये करार किसी भी तीसरे देश को मद्देनजर रखते हुए नहीं किया गया है। भारत से रिश्ते ताक पर रख कर पाकिस्तान को पालने का सऊदी का फैसला किसी को समझ नहीं आ रहा है। जानकार इस पूरे खेल के पीछे अमेरिका का हाथ भी बता रहे हैं लेकिन दिलचस्प बात ये है कि इस डील के साइन होते ही पाकिस्तान पर पहला बड़ा हमला हो गया। वहीं दूसरे हमले की धमकी भी मिल गई। बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान पर बहुत बड़ा हमला किया है। सऊदी अरब के साथ हुई डील के बाद पाकिस्तान पर ये पहला बड़ा हमला है। बीएलए ने पाकिस्तान के 13 से भी ज्यादा सैनिकों को मार दिया है। मौत का ये आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। बलूचों ने एलान किया है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान पर तबड़तोड़ हमले किए जाएंगे।

क्यों जल्दी रुका पाक से संघर्ष? वायुसेना प्रमुख बोले- भारत ने दिखाया युद्ध खत्म करने का सही तरीका

नई दिल्ली (जीएनएस)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि इस वर्ष मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद सैन्य संघर्ष के दौरान बहुत से लोग चाहते थे कि पाकिस्तान के साथ लड़ाई बंद न हो। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई समाप्त कर दी गई, क्योंकि मुख्य उद्देश्य प्राप्त हो गए थे। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि हमें आतंकवादी लक्ष्य दिए गए थे। हमने उन पर सटीक हमला किया। जब हमारे दुश्मनों ने युद्ध रोकने से इनकार कर दिया और हम पर हमला करने की कोशिश की, तो हमने उन पर जोरदार हमला किया।



उनके कई अड्डे क्षतिग्रस्त हो गए। उनके कई बुनियादी ढांचे, रडार, नियंत्रण और समन्वय केंद्र, उनके हेंगर, विमान, को बहुत नुकसान हुआ। एपी सिंह ने कहा कि पिछली बार

जब बालाकोट स्ट्राइक हुई थी, तो वायुसेना से बार-बार पूछा गया था कि हम अपने लोगों से तो ज्यादा पूछते हैं, लेकिन दूसरों के बारे में कम सोचते हैं, इसलिए बार-बार पूछा गया कि कुछ दिख नहीं रहा है।

मुझे लगता है कि सबसे अच्छी चीजों में से एक ये थी कि राजनीतिक इच्छाशक्ति थी। हमारे नेतृत्व ने हमें स्पष्ट निर्देश दिए, और कोई प्रतिबंध नहीं लगाए गए। हमें योजना बनाने की पूरी आजादी दी गई, और एकजुटता थी; तीनों सेनाएँ एक साथ बैठी थीं, एक साथ चर्चा कर रही थीं, एक साथ योजना बना रही थीं, सीडीएस के साथ, अन्य एजेंसियों के साथ, एनएसए इसमें एक बड़ी भूमिका निभा रहे थे।

एयर चीफ मार्शल ने कहा कि आज जो मुख्य युद्ध चल रहे हैं, चाहे वह रूस हो, यूक्रेन हो या इजराइल युद्ध।

मणिपुर में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी, 6 उग्रवादी गिरफ्तार और मारी हथियार जब्त

मणिपुर (जीएनएस)। मणिपुर में शांति कायम करने के लिए सरकार सहित सुरक्षा बलों ने कमर कसी हुई है। हिंसा करने वाले लोगों को तलाशी अभियान के तहत पकड़ा जा रहा है। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने इंगल घाटी के तीन जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ये गिरफ्तारियाँ बृहस्पतिवार को की गईं। पुलिस के एक बयान में बताया कि प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के तीन सक्रिय सदस्यों को इंगल पश्चिम जिले में उनके आवासों से गिरफ्तार किया गया जिनकी पहचान लीशांगथेम टंडन सिंह (34), लीशांगथेम आनंद सिंह (34) और हेइखम हेमचंद्र सिंह (41) के रूप में हुई है। इसमें कहा गया कि उनके कब्जे से दो एसएलआर राइफल, दो मॉडिफाइड .303 राइफल, एक इसास राइफल, विभिन्न प्रकार की नौ मैगजीन और 99 कारतूस जब्त किए गए।



बिष्णुपुर (जीएनएस)। मणिपुर के बिष्णुपुर में अर्धसैनिक बल के एक वाहन पर हथियारबंद लोगों के हमले में असम राइफलस का एक जवान शहीद हो गया। यह घटना शुक्रवार शाम करीब 6 बजे जिले के नाम्बोल सबल लेइकाई इलाके में हुई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बंदूकधारियों के एक समूह ने उस वाहन पर घात लगाकर हमला किया जिसमें असम राइफलस के जवान इम्फाल से बिष्णुपुर जिले की ओर जा

बंदूकधारियों के एक समूह ने उस वाहन पर घात लगाकर हमला किया जिसमें असम राइफलस के जवान इम्फाल से बिष्णुपुर जिले की ओर जा रहे थे। इस हमले में एक जवान की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने घायल जवानों को इलाज के लिए अस्पताल पहुँचाया। सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं और आगे की जाँच के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

नेपाल की नई अंतरिम सरकार का भारत ने किया स्वागत

मिलकर काम करना जारी रखेंगे : विदेश मंत्रालय



काठमांडू (जीएनएस)। नेपाल के बारे में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने

कहा कि आपने इस मामले पर पहले जारी किया गया हमारा बयान देखा होगा। हम नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व में एक नई अंतरिम सरकार के गठन का स्वागत करते हैं। प्रधानमंत्री ने नेपाल की प्रधानमंत्री कार्की के साथ गर्मजोशी से बातचीत की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के लिए भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। एक घनिष्ठ पड़ोसी, एक लोकतंत्र और एक दीर्घकालिक विकास साझेदार के रूप में भारत हमारे दोनों देशों के लोगों और लोगों की भलाई और समृद्धि के लिए नेपाल के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। पीएम मोदी ने बीते दिनों नेपाल

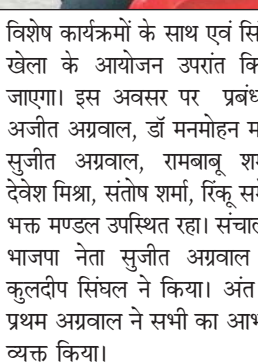
की अपनी समकक्ष सुशीला कार्की से बात की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कार्की के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने पड़ोसी देश में हाल ही में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई जनहानि पर अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री श्रीमती सुशीला कार्की के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। हाल ही में हुई जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की।



इस्लामाबाद (जीएनएस)। पाकिस्तान के आतंकी अब एक एक कर खुद ही अपने मुल्क की पोल खोलते नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान आतंक का निर्यातक देश और दहशतगदों का सबसे मुफीद ठिकाना भी है। जैश-ए-मोहम्मद के एक कमांडर द्वारा मसूद अजहर के बहावलपुर कैप से संबंध होने के पाकिस्तान के दावे का पर्दाफाश करने के कुछ दिनों बाद, लश्कर-ए-तैयबा के एक सदस्य ने स्वीकार किया है कि मुरीदके स्थित मरकज़ तैयबा गठजोड़ से अवगत है।

स्थित आतंकी समूह के मुख्यालय को भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत नष्ट कर दिया था। पाकिस्तान और आतंकवाद पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सीमा पार आतंकवाद और आतंकवाद से लड़ना होगा... हम दुनिया से आह्वान करते हैं कि हमें आतंकवाद से निपटने के लिए अपने प्रयासों को तेज करना होगा। पाकिस्तान से जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के हालिया वीडियो पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि आतंकवाद के मामलों में, हम स्पष्ट हैं कि दुनिया आतंकवादियों और पाकिस्तानी सरकार तथा सेना के बीच गठजोड़ से अवगत है।

झाँसी जयूस। बाबू जगजीत
राम विधि संस्थान बुन्देलख
विश्वविद्यालय झाँसी में विभ
समन्वयक ड.प्रशांत मिश्रा
स्नातक एम. एल. सी. म
जागरूकता अभियान के
सभी छात्र-छात्राओं को म
बनने के लिए प्रेरित किया, उ
सभी छात्रों को सम्बोधित क
हुए बताया कि मताधिकार
सभी का अधिकार है और
चुनाव में वही व्यक्ति म
बनेगा जिसने वर्ष- 2022 में
इसे पहले स्नातक कर लि
उस अवसर पर शिक्षक डा. वि
साहू ड. प्रशांत मिश्रा, डा. वि
साहू, डा. राजेश सिंह, डा.
शर्मा, डा. महेन्द्र सिंह, डा.
कौर, डा.संदीप वर्मा,
हरिशंकर, डा.आशुतोष द्विवे
डा.अभिषेक सिंह, अप
अग्रवाल, अभिषेक शुक्
रुचि पाठक, वशिका प्रेमा
धर्मेन्द्र परिहार एवं स
कर्मचारी व छात्र-छात्राएँ उपसि
रहे।



विमर्श के बाद अन्य समितियों की
अपेक्षा यहाँ अधिक खाद
पहुँचाकर कर किसानों को खाद
दिलाया गया जिससे किसान
अत्यधिक की जमकर सराहना करते
नजर आए। वहीं किसानों में ये भी
चर्चाएँ तेज हैं कि ये मध्य प्रदेश
भाजपा के बड़े नेता पूर्व ग्रहमंत्री डॉ
नरोत्तम मिश्रा जी के रिश्तेदार हैं।
हैं जिससे अधिकारी उसे इनका
काफी घनिष्ठ संबंध हैं जिससे
किसानों को समय से खाद मिल
पा रहा है। इस मौके पर कृषक सेवा
सहकारी समिति के किसानों के
अलावा क्षेत्र के सैकड़ों किसान
मौजूद रहे।

संपादक की कलम से

जिसके पास सबसे ज्यादा सुख है, उसी के पास सबसे गहरा दुख भी है

जिस तरह हर रोज सुबह की कोमल किरणें अंधकार को चीरकर नवजीवन का संकेत देती हैं, उसी तरह मनुष्य जीवन की यात्रा आरंभ करता है। दुनिया में आने के बाद धीरे-धीरे डग भरते हुए वह बचपन की भोर से आगे बढ़ता है और यौवन की दोपहरी तक पहुंचता है, जहां तपती धूप के समान संघर्षों की तपन और अनुभवों की आंच उसे परिपक्व बनाती है। उसके बाद ही संध्या की मद्धम आभा दिनभर की आपाधापी को विश्रांति प्रदान करती है। उसी तरह जीवन भी अनवरत गति से अपने रंगों और रागों के साथ बहता चला जाता है।

यह जीवन, जो बाहरी रूप में निरंतर गतिशील प्रतीत होता है, भीतर से कहीं ठहर-सा गया लगता है। गुररते समय ने अपने-पराए का अंतर स्पष्ट कर दिया है। रिश्तों के बंधनों में बंधकर वह अक्सर अपने लिए नहीं, अपनों की खुशी के लिए जीने को विवश होता है। जीवन की गाड़ी को चलाए रखने के लिए उसे ऊंचे-नीचे पथरीले रास्तों का लंबा सफर तय करना पड़ता है और इसी निरंतर भागमभाग में उसका अस्तित्व परिपक्व होता जाता है। उसके भीतर निस्वार्थ सुख के वे क्षण खोते चले जाते हैं, जिन्हें बार-बार चुराना पड़ता है।

मनुष्य की दिनचर्या में शांति के पल सहज नहीं आते, उन्हें क्षण-क्षण की आपाधापी में खोजकर ही पाया जा सकता है। पद और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को संघर्षों से गुजरना पड़ता है। यह साधना तभी सार्थक होती है, जब हम अपनी आत्मा की गहराइयों में उतरकर उसे अर्जित करने का प्रयत्न करें। मगर कभी-कभी यह वचन और उपलब्धि हमारे अपने ही या पराए रूपों द्वारा हमसे छीन ली जाती है।

ऐसे क्षणों में इसे अवसाद का कारण न बनाकर अगर हम त्याग की भावना में स्थित होकर देखें, तो वहाँ से एक नई खुशी का स्रोत भी खोजा जा सकता है। इसी खोज में अक्सर दिन के सारे क्षण दुविधाओं, द्वंद्वों और उत्तरदायित्वों के बोझ तले दब जाते हैं। रह जाती है केवल एक मूक इच्छा- स्वयं के लिए जी लेने की। कभी-कभी यह भी होता है कि जीवन की इस व्यस्त धारा में वे लोग हमसे दूर होते चले जाते हैं, जो हमारे हृदय के सबसे निकट थे, जिनके साथ हमने कभी जीवन के सुनहरे स्वपन बुने थे। वे रिश्ते, वे क्षण, जिनमें कभी हृदय लयबद्ध हुआ करता था, अब स्मृतियों की परछाइयों में विलीन हो जाते हैं। जब हृदय पर एकाकीपन की छाया पड़ती है, तब मन अनायास ही अतीत की ओर भागने लगता है। बीते हुए क्षणों को फिर जीने की लालसा भीतर उमड़ती है, मानो समय को रोककर उसे फिर से पकड़ लेना चाहता हो। यही ठहराव दुख का कारण बनता है। सत्य को स्वीकार न कर पाने की जिद हमें वर्तमान की मधुर संभावनाओं और आने वाली खुशियों से वंचित कर देती है। और मन, उसी बीते हुए समय को ‘सर्वश्रेष्ठ’ मानकर बारंबार उसकी ओर लौट जाना चाहता है।

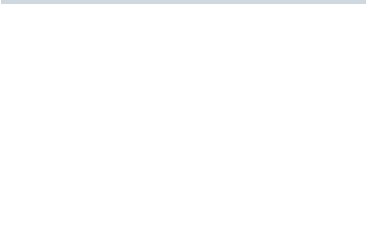
हम आत्मचिंतन करें, तो अनुभव करेंगे कि यह केवल मस्तिष्क का एक मोह-जाल है, एक मानसिक कोहरा, जो वर्तमान की स्पष्टता को ढक देता है। वास्तविकता यह है कि जीवन स्वयं में एक चक्र है-सुख और दुख का, संयोग और वियोग का, गति और विश्रांति का। कभी इसकी गति तीव्र होती है, तो कभी मंद। और मंद गति में दुख की छाया अधिक सघन प्रतीत होती है। ऐसे क्षणों में मन को विषादग्रस्त नहीं होने देना चाहिए, बल्कि इन्हीं पलों में भीतर संचित उन सौंदर्यपूर्ण स्मृतियों को फिर जीवंत करना चाहिए, जो हमें आत्मिक विश्रांति प्रदान करती हैं। उन रिश्तों को, उन लम्हों को फिर से स्मरण में लाना चाहिए, जिन्होंने हमें संपूर्णता का बोध कराया था। मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है सुख को थामे रखने की और दुख को नकारने की। वह हर उस भाव, वस्तु या व्यक्ति को रोक लेना चाहता है, जिसने उसे सुख प्रदान किया हो। मगर यही आग्रह और गति हमें उसे पीड़ा की ओर ले जाता है, क्योंकि जीवन का स्वभाव परिवर्तनशील है। कोई भी क्षण, परिस्थिति या अनुभूति स्थायी नहीं। अगर प्रतिदिन आनंद में डूबे रहना संभव होता, तो ‘आनंद’ शब्द अपनी विशिष्टता खो बैठता। वह केवल एक सामान्य अनुभव बनकर रह जाता। उसी प्रकार अगर दुख भी स्थायी होता, तो उसकी पीड़ा निष्क्रिय हो जाती। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने भावों में संतुलन स्थापित करें, सुख और दुख, दोनों को समान भाव से स्वीकार करें। तभी हम जीवन की विविधता को उसकी संपूर्णता में अनुभूत कर सकते हैं।

यह भी संभव है कि हम अपने जीवन के उन सुकुमार क्षणों को स्मृति में सहेजकर रखें और जब मनुष्य स्वयं से मिलना चाहे, जीवन से क्षण भर का विराम चाहे, तब वे स्मृतियां उसका मार्गदर्शन करें। सुखद अनुभूतियां, दुख की उछता को शीतलता प्रदान करती हैं। वे आश्वासन देती हैं कि ‘यह समय भी व्यतीत हो जाएगा।’ मगर जब जीवन सुख के उजास से भरा हो, तब भी यह न भूलें कि कहीं न कहीं, दुख की कोई मद्धम छाया हमारी प्रतीक्षा कर रही है। यही चेतना हमें विनम्र बनाती है, और यही अनुभूति हमें संपूर्णता की ओर ले जाती है।

जीवन की सार्थकता इसी में है कि हम उसकी निरंतर बदलती लयों को स्वीकार कर सकें। सुख और दुख, उतार-चढ़ाव, हानि और लाभ- ये सब केवल अनुभवों की सीढ़ियां हैं, जो हमें आत्मिक ऊंचाई प्रदान करती हैं। जो व्यक्ति हर परिस्थिति को समभाव से देखना सीख लेता है, वह बाहरी अशांति के बीच भी भीतर की शांति को संजो पाता है। संध्या का सौंदर्य इसी में निहित है कि वह दिन की थकान के बाद विश्राम देती है और आने वाले प्रभात का संकेत भी बनती है। जीवन भी ऐसा ही है अनश्वर, गतिशील और अनुभवों की ज्योति से आलोकित होता है।



अजय कुमार



नेपाल में सितंबर 2025 में जेन-जी आंदोलन ने तहलका मचा दिया। वहां की सरकार को जाना पड़ा। बात शुरू हुई 4 सितंबर से, जब नेपाल सरकार ने फेसबुक, एक्स, यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी। वजह बताई गई कि ये कंपनियां नए नियमों में रजिस्टर नहीं हुई थीं। लेकिन यह फैसला 1995 से 2010 के बीच पैदा हुए जेन-जी युवाओं को बिल्कुल रास नहीं आया। उनके लिए सोशल मीडिया सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि रोजगार, पढ़ाई और दुनिया से जुड़ने का जरिया है। रील्स बनाकर पैसे कमाने वाले, विदेश में बसे रिश्तेदारों से वीडियो कॉल करने वाले, ऑनलाइन बिजनेस चलाने वाले सब गुस्से में आ गए। शुरू में आंदोलन बैन के खिलाफ था, लेकिन जल्दी ही यह भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अमीर-गरीब की खाई के खिलाफ आ हो गया। काठमांडू से लेकर छोटे शहर तक सड़कों पर हजारों युवा उतर आए। सरकारी दफ्तरों, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास पर हमले हुए। कम से कम 51 लोग मारे गए, सैकड़ों जख्मी। सेना को सड़कों पर उतारना पड़ा। एक बड़े नेता ने कहा, सियासी दलों ने युवाओं की बात नहीं सुनी, इसलिए हिंसा भड़की। नतीजा? प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को कुर्सी छोड़नी पड़ी। अब नई सरकार की बात हो रही है, जिसमें कुछ नए चेहरों के नाम सामने आ रहे हैं। यह आंदोलन कुछ नौजवानों ने शुरू किया, जो सियासत से दूर थे। बाद में विपक्षी दलों ने इसे हवा दी। भारत पर भी इसका असर पड़ा। उत्तराखंड के सीमाई बाजारों में धंधा ठप है, क्योंकि नेपाली ग्राहक सड़कों पर हैं। नेपाल का यह बवाल भारत के लिए चेतावनी बन रहा है।



भारत की सड़कों पर पैदल चलने का अधिकार नहीं!

देश में सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों की सुरक्षा एक गंभीर विषय है। इस पर गौर करना बेहद जरूरी है कि सड़कें क्या केवल वाहनों के लिए है या उन पर चलने का समान अधिकार पैदल यात्रियों का भी है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की एक रपट भयावह तस्वीर पेश करती है। इसके मुताबिक, सड़क दुर्घटनाओं में पैदल यात्रियों की मौत की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2022 में देश भर में सड़क दुर्घटनाओं में 32,825 पैदल यात्रियों की जान चली गई, जो हदसों में हुई कुल मौतों का लगभग पांचवां हिस्सा है।

यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि एक गहरी प्रणालीगत विफलता को दर्शाता है। वर्ष 2014 से 2018 के बीच सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों की मौत में 84 फीसद की भारी वृद्धि हुई है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि पैदल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर विभिन्न स्तरों पर सतर्कता और गंभीरता का अभाव है। जागरूकता की कमी के साथ-साथ यातायात नियमों का भी सुचारु रूप से पालन सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है। भारत में सड़कें मुख्य रूप से वाहनों को ध्यान में रख कर बनाई गई हैं, जिससे पैदल यात्रियों को अपनी सुरक्षा के लिए जटिलहद करना पड़ता है। अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं या वे टूटे हुए हैं या फिर अतिक्रमण की जद में आ गए हैं। इस वजह से पैदल यात्रियों को मुख्य सड़कों पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जहां तेज रफ्तार वाहनों से हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। दूसरी ओर, सड़कों पर अतिक्रमण भी एक बड़ी समस्या बन गई है। शहरों में तो सड़कों किनारे ही वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न होती है और पैदल यात्रियों के लिए भी परेशानियों के साथ जान का जोखिम बना रहता है। स्थानीय प्रशासन की ओर से भी फुटपाथ और सड़कों पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नाममात्र ही होती है।

राहुल गांधी का जेन-जेड दांव लोकतंत्र की रक्षा या पड़ोसी देशों जैसी आग का न्योता?

देश की सियासत में इन दिनों हंगामा बरपा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक ट्वीट ऐसा है, जिसने सबको चौंका दिया। 18 सितंबर 2025 को एक्स पर उन्होंने लिखा, देश के युवा, देश के छत्र, देश की जेनेरेशन-जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट की चोरी रोकेगी। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। जय हिंद! यह कोई मामूली बात नहीं थी। इस ट्वीट में पड़ोसी मुल्क नेपाल के हाल के जेन-जी आंदोलन की छाया साफ दिख रही है, जहां नौजवानों ने सड़कों पर उतरकर सरकार को उखाड़ फेंका। सवाल उठ रहे हैं, क्या राहुल गांधी युवाओं को सड़कों पर बुलाने का इशारा दे रहे हैं? क्या वे चुनाव आयोग पर वोट चोरी का इल्जाम लगाकर आग भड़का रहे हैं? कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं, वहीं भाजपा इसे नेपाल जैसी साजिश बता रही है। ऊपर से सैम पित्रोदा का पाकिस्तान को घर जैसा बताने वाला बयान ने नया बवाल खड़ा कर दिया। आखिर क्या है यह माजरा? क्या राहुल का जेन-जी दांव भारत में नेपाल जैसी आग लगाएगा या लोकतंत्र को और मजबूत करेगा?

नेपाल में सितंबर 2025 में जेन-जी आंदोलन ने तहलका मचा दिया। वहां की सरकार को जाना पड़ा। बात शुरू हुई 4 सितंबर से, जब नेपाल सरकार ने फेसबुक, एक्स, यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी। वजह बताई गई कि ये कंपनियां नए नियमों में रजिस्टर नहीं हुई थीं। लेकिन यह फैसला 1995 से 2010 के बीच पैदा हुए जेन-जी युवाओं को बिल्कुल रास नहीं आया। उनके लिए सोशल मीडिया सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि रोजगार, पढ़ाई और दुनिया से जुड़ने का जरिया है। रील्स बनाकर पैसे कमाने वाले, विदेश में बसे रिश्तेदारों से वीडियो कॉल करने वाले, ऑनलाइन बिजनेस चलाने वाले सब गुस्से में आ गए। शुरू में आंदोलन बैन के खिलाफ था, लेकिन जल्दी ही यह भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अमीर-गरीब की खाई के खिलाफ आ हो गया। काठमांडू से लेकर छोटे शहर तक सड़कों पर हजारों युवा उतर आए। सरकारी दफ्तरों, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास पर हमले हुए। कम से कम 51 लोग मारे गए, सैकड़ों जख्मी। सेना को सड़कों पर उतारना पड़ा। एक बड़े नेता ने कहा, सियासी दलों ने युवाओं की बात नहीं सुनी, इसलिए हिंसा भड़की। नतीजा? प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को कुर्सी छोड़नी पड़ी। अब नई सरकार की बात हो रही है, जिसमें कुछ नए चेहरों के नाम सामने आ रहे हैं। यह आंदोलन कुछ नौजवानों ने शुरू किया, जो सियासत से दूर थे। बाद में विपक्षी दलों ने इसे हवा दी। भारत पर भी इसका असर पड़ा। उत्तराखंड के सीमाई बाजारों में धंधा ठप है, क्योंकि नेपाली ग्राहक सड़कों पर हैं। नेपाल का यह बवाल भारत के लिए चेतावनी बन रहा है।

राहुल गांधी का ट्वीट इस माहौल में आया। उन्होंने नेपाल का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बातों में वही जोश दिखा। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के बाद उनका वोट चोर, गद्दी छोड़ वाला नारा वायरल हो गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने चुनाव आयोग पर सीधा निशाना साधा। कर्नाटक में 6018 वोटरों के नाम कटने और महाराष्ट्र में 6180 वोटर जोड़े जाने का हवाला देकर



वोट चोरी फैक्ट्री का इल्जाम लगाया। मुख्य चुनाव आयुक्त को वोट चोरों का सरगना तक कह डाला। आयोग ने सफाई दी कि यह रूटीन काम है, लेकिन राहुल नहीं रुके। उन्होंने कहा, मैं 100 फीसदी सबूतों के साथ बोल रहा हूं। मुझे अपने देश और संविधान से प्यार है कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं। भारत जोड़ने न्याय यात्रा में राहुल ने युवा न्याय की बात की थी। गुजरात दौरे पर फिटनेस पर जोर दिया, जो युवा नजरिए को दिखाता है। लेकिन भाजपा इसे खतरनाक खेल बता रही। सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर तंज कसा, जेन-जी परिवारवाद के खिलाफ है। नेहरू, इंदिरा, राजीव, सोनिया के बाद राहुल को क्यों बर्दाश्त करेगा? भ्रष्टाचार से नफरत करता है, तो यूपीए के घोटाले कैसे भूलेगा? उनका पोस्ट वायरल हो गया। दुबे ने गृह मंत्रालय और ईडी से सैम पित्रोदा की फंडिंग और राहुल के विदेश दौरों की जांच की मांग की। बोले, कांग्रेस विदेशी ताकतों के साथ अराजकता फैलाना चाहती है। देश छोड़ने की तैयारी करो। कंगना रनौत ने कहा, नेपाल में जेन-जी ने परिवारवादी सरकार उखाड़ी। राहुल देश को शर्मिंदा करते हैं। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी बोले, कांग्रेस की पहचान परिवारवाद और घोटाले हैं। पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने तो हद कर दी, बोले, नेपाल जैसी क्रांति भारत में हुई तो राहुल-अखिलेश के घरों में आग लग जाएगी!

विपक्ष में शिवसेना के संजय राउत ने राहुल का साथ दिया, लेकिन चेताया, भारत में भी ऐसा हो सकता है, भाजपा तैयार रहे। जेडीयू के नीरज कुमार ने जवाब दिया, भारत

न बांग्लादेश है, न नेपाल। यहां लोकतंत्र मजबूत है। गृह मंत्री अमित शाह बोले, चुनाव आयोग को बदनाम करना कांग्रेस की पुरानी चाल। अनुराग ठाकुर ने कहा, कांग्रेस लोकतंत्र कमजोर कर रही। प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के नेताओं से बात की और युवाओं को शांतिपूर्ण रास्ता अपनाने की सलाह दी।इस बवाल में सैम पित्रोदा ने और आग में घी डाला। 19 सितंबर को उन्होंने कहा, पाकिस्तान गया, वहां घर जैसा लगा। बांग्लादेश, नेपाल में भी ऐसा ही। भाजपा ने इसे देशद्रोही बताया। शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखा, पित्रोदा को पाकिस्तान घर जैसा लगता है? 26/11 पर नरमी, पुलवामा में पाक का साथ कांग्रेस की सोच साफ। पित्रोदा ने राहुल के जेन-जी बयान का समर्थन किया, लेकिन उनके पुराने बयान याद आ गए 1984 दंगों पर हुआ तो हुआ, उत्तर-पूर्व को चीनी-अफ्रीकी कहना, विरासत टैक्स की बात। कांग्रेस ने खुद को अलग किया, लेकिन नुकसान हो चुका।19 सितंबर को दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन (DUSU) चुनाव में नौजवानों ने जवाब दे दिया। अभाविव ने जीत हासिल की, आर्यन मान अध्यक्ष बने। #ABVPyDUS ट्रेंड किया।

पंजाब यूनिवर्सिटी में भी अभाविव जीती। लोग बोले, राहुल के बयान के अगले दिन जेन-जी ने भाजपा चुनी। बिहार चुनाव से पहले यह बवाल बड़ा है। कांग्रेस कहती है, जेन-जी पढ़ाई, नौकरी, बराबरी चाहती है। राहुल बार-बार कहते हैं, लोकतंत्र और संविधान खतरे में हैं। उनकी बात अच्छी लगती है, लेकिन सवाल है क्या वे वोटिंग की बात कर रहे या सड़कों पर बवाल का इशारा दे रहे हैं? एक्स पर #VoteChoriFactory ट्रेंड कर रहा, लेकिन मुंबई में #iPhonev की लाइन में जेन-जी रात 2 बजे से खड़ी है। एक यूजर ने तंज मारा, राहुल की बात सुनी, जागे, मगर iPhone लेने चले गए। कांग्रेस के जमाने में सिलेंडर की लाइन थी, आज ऐपल फोन की। केंद्र की स्किल इंडिया, विकसित भारत रोजगार योजना युवा-केंद्रित हैं। मोदी ने 2014 में गूगल हैंगआउट पर युवाओं से बात की थी।राहुल का बयान कांग्रेस के लिए दोधारी तलवार है। वे संविधान बचाने की बात करते हैं, लेकिन नेपाल का जिक्र सड़क आंदोलन का संकेत देता है। भारत का लोकतंत्र वोट से चलता है, आग से नहीं। श्रीलंका की तबाही, बांग्लादेश का बवाल, नेपाल का दर्द क्या राहुल भारत को उसी रास्ते ले जाना चाहते हैं? या जागरूकता फैला रहे? पित्रोदा का बयान दिखाता है, कांग्रेस पड़ोसियों से नरम, भारत से सख्त। लेकिन छः-ने साफ कर दिया जेन-जी तरकीब चाहती है, बवाल नहीं। राहुल जी, नौजवानों को वोट की ताकत सिखाइए। आपके परिवार ने इसी सिस्टम से सत्ता पाई। बिहार चुनाव बताएंगे, जेन-जी राहुल के साथ है या तरकी के रास्ते पर। लोकतंत्र बचेगा, अगर युवा वोट से बदलाव लाएं। आग से नहीं।

अनमोल हैं कड़वे बोल

किसी ने कहा है कि अंधेरे में माचिस तलाशता हुआ हाथ, अंधेरे में होते हुए भी अंधेरे में नहीं होता, इस तलाश को अपने भीतर निरंतर जीवित रखना कोई साधारण बात नहीं है, परंतु जो लोग सफर की हदों को पहचानते हैं, जिन्हें हर मंजिल के बाद किसी नए सफर पर चल पड़ने की लत है, उनके भीतर से यह खोज कभी खत्म नहीं होती। अचूक शीतर में, अपने क्रांतिकारी विचारों से लोगों को अपनी ही खोज के तौर तरीके बताने वाले राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी महाराज की वाणी सहज आकर्षण का विषय बन गई है। ऐसे समय में जब अपने हक में हर खुशी बटोर लेने की अदम्य लालसा लोगों को दुनिया के दुरख दर्द से कोसों दूर ले जा रही है। मुनि श्री दुनिया को खुशी और गम की सही परिभाषा बता रहे हैं। यह सिर्फ संयोग नहीं है कि वे जहां भी पहुंचते हैं, सबसे पहले यही कहते हैं कि मैं कथा सुनाने नहीं जीव की व्यथा सुनाने आया हूं। यह व्यथा घर-घर की कहानी है, जिसे एक बड़े आईने की शकल में सामने रखकर मुनि तरुण सागर जी पुकार कर कह उठते हैं कि इसे न तो ठुकराओ, न ही झुलाने की कोशिश करो, बेहतर यही है कि इस व्यथा के बीच से ही जीवन का रस हासिल कर लो। मुनि तरुण सागर जी के बोल, सुनने वाले को भावित-प्रभावित तो करते ही हैं, उसे झकझोर कर भी रख देते हैं। उन्हें सुनते समय या पढ़ते समय आप अनुभव करते हैं कि आपकी अपनी जिंदगी एक धारावाहिक के रूप में आपकी आंखों के सामने तैरने लगी है। उनकी वाणी अतीत की जड़ता से उबारने और वर्तमान की लापरवाही के प्रति सचेत करने का काम करती है। वह आपके जख्मों को सहलाने के बदले यदि अधिक कुरदने की मुद्रा में दिख भी रही हो तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि मुनि श्री आपको स्थाई रूप से तंदुरुस्त बनाने का उद्यम कर रहे हैं। सूत्र शैली में संदेश देने वाले मुनि तरुण सागर जी को अपनी वाणी को कड़वे प्रवचन कहने पर इस्मीनान यदि है तो सिर्फ इसलिए कि वे जानते हैं, ईसान की प्रवृत्ति और कभी न बदलने की उसकी ज्जिद इतनी कठिन और जटिल है कि सीधी उंगली से घी निकालना मुमकिन नहीं है। आज साहित्य, संस्कृति और समाज के हर मंच पर महिला जागृति या नारी विमर्श का दौर ही चल पड़ा है। मुनि तरुण सागर जी साफ शब्दों में कहते हैं कि समाज पुरुष प्रधान है, परंतु याद रखना चाहिए कि महिलाओं की भूमिका पुरुषों की भी बड़ी है। वे सत्य से मुंह मोड़ने या पीछे हटने वाले समाज को न सिर्फ जगाते हैं बल्कि अपने कड़वे बोल से कोसने में भी कोई गुरेज नहीं करते। सच के पाखंडी चेहरे को पहचानने वाली उनकी गहरी दृष्टि सजग करती हैं कि वास्तव में जो सत्य है उसे किसी बनावट की जरूरत नहीं है। संघर्ष में सत्य परेशान हो सकता है किन्तु पराजित नहीं होता।



cmyk +

मिशन शक्ति अभियान फेस-5.0 में विभागीय दायित्वों को पूर्ण करें अधिकारी : मंडलायुक्त

ग्रामीण क्षेत्रों में पाक्षिक अभियान चलाकर तीनों प्रकार की पेंशन योजना से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित कराएं



झाँसी जयूस। मण्डलायुक्त विमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में विकास कार्यों की मण्डलीय समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गयी।

समीक्षा बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा महिला सशक्तीकरण और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 2020 में शुरू किये गए महत्वपूर्ण कार्यक्रम

मिशन शक्ति का पाँचवाँ चरण, 22 सितम्बर 2025 से शारदीय नवरात्र के साथ प्रारंभ हो रहा है, जो 30 दिन तक जारी रहेगा। मिशन शक्ति फेज-5.0 के प्रचलित इस फेज में विगत संचालित फेज-4.0 में किये गये कार्यों के साथ महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वावलम्बन, विकास, कल्याण इत्यादि से सम्बन्धित कई अन्य

कार्यक्रमों का समावेश किया गया है।

मण्डलायुक्त ने श्रमिकों के रजिस्ट्रेशन हेतु ब्लॉक स्तर पर मेगा कैम्प आयोजित कराने के निर्देश देते हुये कहा कि पंचायती राज, मनरेगा तथा श्रम विभाग संयुक्त रूप से मेगा कैम्पों का आयोजन कराये जिसमें जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों को

आमंत्रित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि श्रम कानूनों का पालन कराने हेतु ठेकेदारों की जिम्मेदारी तय करें। उन्होंने पंजीकृत श्रमिकों की बेटियों की शादी के लिये अनुदान योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिये।

पशुपालन विभाग की समीक्षा में मंडलायुक्त ने निर्देश दिए की राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़कों पर विचरण कर रहे आवारा गौवंश को नव निर्मित गौशालाओं में पहुंचाएं। पेंशन विभाग की समीक्षा में उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में पाक्षिक अभियान चलाकर तीनों प्रकार की पेंशन के पात्र लाभार्थियों को पेंशन योजना के लाभ से आच्छादित कराएं। बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त ऋषिमुनि उपाध्याय, उप निदेशक अर्थ एवं संख्या एस एन त्रिपाठी, संयुक्त शिक्षा निदेशक राजू राणा, संयुक्त निदेशक कृषि बी एल यादव, उप निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उप निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मोहम्मद तारिक, अपर नगर आयुक्त रोली गुप्ता उपायुक्त उद्योग मनीष चौधरी, उप निदेशक उद्यान विनय कुमार, उप निदेशक महिला कल्याण श्रवण कुमार गुप्ता सहित अन्य सम्बन्धित मण्डलीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीएम डैश बोर्ड में जनपद 15 वीं पायदान पर पर ड्राप मोर क्राप- माइक्रोइरीगेशन कार्य के कमेटी गठित कर दिए जांच के आदेश

आईजीआरएमस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में 1775 फीडबैक असंतुष्ट होने पर कि नाराजगी व्यक्त



झाँसी जयूस। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने सीएम डैश बोर्ड विकास कार्य/राजस्व कार्यों की जिला अनुश्रवण पुस्तिका की समीक्षा करते हुए जनपद की रैंकिंग में सुधार लाए जाने के लिए संवेदनशील होकर कार्य करने के निर्देश दिए। राजस्व कार्यों में आईजीआरएस में प्राप्त रैंकिंग पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए 4083 शिकायतों के निस्तारण पर 1775 असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त होने पर संबंधित विभागाध्यक्षों को फटकार लगाते हुए निस्तारण में सुधार लाए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने

विकास कार्यों में प्रदेश स्तर पर 17वीं रैंक पाए जाने पर असन्तोष व्यक्त किया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के अंतर्गत विकास कार्यों से संबंधित प्रपत्रों की समीक्षा करते हुए कहा कि अनेक विभाग अपनी रैंकिंग में सुधार ला सकते हैं, ऐसे विभाग अपनी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं की जानकारी मिले और वह उनका लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकें। जिलाधिकारी श्री मृदुल चौधरी ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त

शिकायतों में संतोषजनक रैंक न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और 4083 निस्तारित शिकायतों के फीडबैक में 1775 असंतुष्ट फीडबैक पाए जाने पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को फटकारते हुए निस्तारण में गुणवत्ता लाए जाने के निर्देश दिए। बैठक में इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद, सीएमओ डॉ सुधाकर पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वरुण कुमार पांडेय, डीएफओ नीरज कुमार आर्य, अपर जिलाधिकारी नमामि गो योगेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्याय अरुण कुमार गौड़, डीडीओ सुनील कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग दीपांकर चौधरी, डीएसटीओ सुजान सिंह लोधी, डीएसटीओ डॉ. अर्चना सिंह, एडिशनल डीएसटीओ के बी गुप्ता सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी व विभिन्न कार्यदाई संस्थाओं के प्रोजेक्ट मैनेजर मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

पात्र दिव्यांग छात्र/छात्राएँ राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पर ऑनलाइन आवेदन करें 30 सितम्बर तक

झाँसी जयूस। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कृष्ण पाल सिंह ने बताया है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा दिव्यांग छात्र/छात्राओं हेतु प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक एवं टॉप क्लास के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना संचालित की जाती है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति की संशोधित समय सारणी निगित की गयी है जिसके अन्तर्गत प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु दिव्यांग छात्र/छात्र-छात्राएँ पोर्टल पर 30 सितम्बर 2025 तक आनलाइन छात्रवृत्ति आवेदन कर सकते है, उक्त आवेदनों का सत्यापन शिक्षण संस्थानों द्वारा 15 अक्टूबर तक तथा डीएनओ/एसएनओ/एमएनओ द्वारा सत्यापन 31 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पात्र दिव्यांग छात्र/छात्राएँ राष्ट्रीय छात्रवृत्ति हेतु वेबसाइट पर उपलब्ध गाइड लाइन के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है।

डीआरएम से मिला पेंशनर्स एसोसिएशन

झाँसी जयूस। पेंशनर्स एसोसिएशन ऑफ रेलवेज झाँसी मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने मंडल रेल प्रबंधक से औपचारिक भेटकर एसोसिएशन के उद्देश्य एवं प्रगति के बारे में जानकारी दी। मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि रेलवे पेंशनर्स का सहयोग व मार्ग दर्शन रेलवे की प्रगति में अतुल है। इनकी किसी भी समस्या का निस्तारण प्राथमिकता पर सदैव किया जाएगा। इस अवसर पर आर पी यादव, पी के श्रीवास्तव, ओ एस भटनागर, रामपाल, आर के दिवगीया, आई एस अरोड़ा, आर एल साहू, सुरेश शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

84 उपनिरीक्षकों के तबादले

झाँसी जयूस। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने एक चौकी प्रभारी को बदलते हुए 83 उपनिरीक्षकों के तबादले किए हैं। पुलिस के मुताबिक बुविवि चौकी प्रभारी सत प्रकाश त्रिपाठी का तबादा बबीना थाना कर दिया गया, जबकि पुलिस लाइन में तैनात सुशील कुमार द्विवेदी को बुविवि चौकी प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा पुलिस लाइन में तैनात 83 दारोगाओं को जिले के थानों में स्थानांतरित किया है।

बरुआसागर की मशहूर पाण्डेय मिष्ठान भंडार पर छापा

टीम ने ईलाइट चौराहे पर आदित्य फूड्स प्रतिष्ठान का किया निरीक्षण, गंदगी पाए जाने पर दिया नोटिस



झाँसी जयूस। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी के निर्देशन पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने कई स्थानों पर छापेमारी की कार्यवाई की है। इस कार्यवाई से प्रतिष्ठान संचालकों में हडकंप मचा हुआ है। यही नहीं, गंदगी पाए जाने पर नोटिस भी जारी किया है।

सहायक आयुक्त खाद्य पवन कुमार ने बताया कि आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी के निर्देशन में कार्य करते हुए आज खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा बरुआसागर की प्रतिष्ठित पाण्डेय मिष्ठान भंडार बस स्टैंड के प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया, मौके पर अत्यधिक गंदगी

इलाइट चौराहे से जीवनशह रोड पर स्थित प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया गया प्रतिष्ठान में अत्यधिक गंदगी पाए जाने पर तत्काल एक नोटिस जारी किया गया एवं बिरयानी एवं मीठी चटनी के नमूने संग्रहित किए गए जिन्हें जांच हेतु राजकीय लैब लिए भेजा जा रहा है। इसके साथ ही निरीक्षण के

दौरान प्रतिष्ठानों पर डेम -24 से उबलते हुए तेलों की गुणवत्ता की जांच भी की गई और सुरक्षित तेल की जानकारी दी गई। इसके पश्चात ल्योहारों के दृष्टिगत रखते हुए बंगरा मऊरानीपुर में आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थों सहित फल आदि की उपलब्ध सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा फूड सेफ्टी मोबाइल लैब वैन के माध्यम से प्रचार- प्रसार करते हुए लगभग 80 से 90 खाद्य कारोबारियों एवं लगभग 100 से 150 आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य सामग्री के प्रति जागरूक किया गया एवं कटे-फटे फल, सब्जी न बेचने हेतु ठेले वालों को जागरूक किया गया। इस मौके पर टीम के सदस्य सत्यम भारती, सुनील कुमार, झंकार सिंह, सैनिक सिंह, ज्ञानेंद्र पाल सिंह चंदेल एवं जितेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

बाइक चोर की तीन मामलों में सजा

झाँसी जयूस। स्पेशल डकैती कोर्ट ने अलग- अलग मामलों में बाइक चोर करने वाले अभियुक्त को तीन - तीन साल कारावास और 25-25 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मालूम हो कि नवाबाद थाना पुलिस ने जालौन के हरीपुरा निवासी वीरेंद्र वर्मा को अलग-अलग तिथियों में गिरफ्तार किया था। इसके पास से चोरी की मोटर साइकिल बरामद की गई थी। वह फर्जी नंबर डालकर बाइक बेचा करता था।

छुरी रखने पर पांच सौ रुपये का जुर्माना

सीजेएम ने प्रेमनगर थाना क्षेत्र के राजगढ़ निवासी रज्जन अहिरवार को छुरी रखने के आरोप में दोषी मानते हुए जेल अवधि व पांच सौ रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मालूम हो कि प्रेमनगर थाना पुलिस ने रज्जन अहिरवार को छुरी रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

विद्यार्थियों ने की मनचाही वस्तुओं की खरीददारी

युवाओं के आकर्षण का केंद्र बना है हस्त शिल्प मेला



झाँसी जयूस। बुंदेलखंड परिक्षेत्र के हस्तशिल्पियों को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने, उन्हें प्रशिक्षित करने, रोजगार देने और समुचित बाजार मुहैया कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार के बुंदेलखंड मेगा क्लस्टर प्रोजेक्ट के तहत बुंदेलखंड विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित हस्त-शिल्प मेले के पांचवें दिन शुक्रवार को विद्यार्थियों ने अपनी जरूरतों को ध्यान में

रखकर मनचाही वस्तुओं की खरीददारी की। शिक्षकों ने हस्तशिल्पियों का उत्साहवर्धन भी किया। हस्तशिल्प मेला युवाओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। यह मेला बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पत्रकारिता संस्थान के सामने 24 सितंबर 2025 तक चलेगा। इस मेले में बुंदेलखंड के सभी जिलों के उद्यमी कारपेट, दरी, जरी जरदोजी, चमड़े के विभिन्न उत्पादों, सॉफ्ट टॉयज, चितेरी

आर्ट, चंदेरी एंब्रायडरी, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, पेपर वर्क, कागज के उत्पादों के स्टॉल सजाए हुए हैं। मेला संयोजक एवं ललित कला संस्थान के शिक्षक दिलीप कुमार ने बताया कि यह हस्त शिल्प मेला प्रत्येक दिन पूर्वाह्न 11:00 बजे से लेकर शाम पांच बजे तक चलेगा। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के समन्वयक डा कौशल त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षक उमेश शुक्ल, डा राघवेंद्र दीक्षित, डा अभिषेक कुमार, ललित कला संस्थान की डा श्वेता पाण्डेय, डा सुनीता, डा अंकिता शर्मा, डा अजय कुमार गुप्ता, डा ब्रजेश सिंह परिहार, डा संतोष कुमार, उत्तर प्रदेश राज्य कृषि एवं ग्रामीण विकास निगम लिमिटेड, लखनऊ के अहमद नवील, सैयद जफर हुसैन, अतीत विजय, मुकेश कर्दम, कमलेश कुमार, वीरेंद्र कुमार अहिरवार आदि ने मेले में आए हस्त शिल्पियों की हौसला आफजाई की।